MAHARAJA KRISHNAKUMARSINHJI BHAVNAGAR UNIVERSITY(With effect from Academic Year 2021-22)

बी.ए.(हिन्दी) सेमेस्टर - 4
आधुनिक हिन्दी नाट्य साहित्य
मुख्य एवं प्रथम गौण
प्रश्नपत्र नं.9 HIN.C.C.----E.C.----

प्रतिपाद्य :-

भारतीय साहित्य में नाटक की परंपरा अति प्राचीन है | ' पंचमवेद ' के रूप में स्वीकृत नाटक साहित्य ने हिन्दी नाट्य साहित्य में नई दिशाएँ स्थापित की है | कथ्य, शिल्प एवं रंगमंच से छात्रों को अवगत कराने का प्रयास है | एकांकी भी बड़े नाटक के समान रंगमंच पर प्रदर्शित होकर भी अपनी पूर्ण अभिव्यक्ति प्राप्त करता है, क्योंकि रंगमंच ही उसका मूल माध्यम है | अतः एकांकी रंगमंच के सपने, अनुशासनों और रुढियों से प्रभावित होता है | रंगमंच का स्वरूप, रंगसज्जा के नियम और उसकी रूढ़ियाँ ही एकांकी में कार्य व्यापार के विन्यास और वस्तु संघटन को निर्धारित करती है | छात्रों को इन सभी विचारो से साक्षात्कार कराना है |

पाठ्यपुस्तक:-

बकरी – सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
सड़क – विष्णु प्रभाकर
स्ट्राइक – भुवनेश्वर प्रसाद

युनिट-1 : 1. निर्धारित रचनाकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का अध्यापन |
2. ' बकरी ' : कथावस्तु का परिचयात्मक अध्ययन तथा स-संदर्भ व्याख्या एवं टिप्पणियाँ आदि का अध्यापन |
कक्षा अध्यापन 12 घंटे अंक – 18

युनिट-2 : 1. ' बकरी' के तात्विक मूल्यांकन का अध्यापन |
2. ' बकरी ' : प्रमुख पात्रो की चारित्रिक विशेषताओं का अध्यापन |
कक्षा अध्यापन 12 घंटे अंक – 18

युनिट-3 : 1. ' बकरी ' : प्रमुख समस्याओं का अध्यापन |
2. ' बकरी ' : शीर्षक, रंगमंचीयता, अभिनेयता और उद्देश्य का अध्यापन |
कक्षा अध्यापन 11 घंटे अंक – 17

युनिट-4 : 1. ' सड़क ' एकांकी : कथा, चरित्र, उद्देश्य एवं शीर्षक तथा स-संदर्भ व्याख्या एवं टिप्पणियाँ आदि का अध्यापन |

2. ' स्ट्राइक ' एकांकी : कथा, चरित्र, उद्देश्य एवं शीर्षक तथा स-संदर्भ व्याख्या एवं टिप्पणियाँ आदि का अध्यापन |

कक्षा अध्यापन 10 घंटे अंक – 17

<u>प्रश्नपत्र प्रारूप :-</u>

लिखित परीक्षा 70 अंक

आतंरिक मूल्यांकन :

1. कसौटी - 15 अंक | (10 अंक निबंधलक्षी प्रश्न और 5 अंक के लघुत्तरी प्रश्न)
2. स्वाध्याय/प्रस्तुतीकरण - 10 अंक |
3. उपस्थिति - <u>05 अंक</u> |

कुल - 30 अंक

1.1 30 अंक की कसौटी के अंतर्गत 4 इकाइयों से 4 प्रश्न होंगे और प्रश्नों के अंक क्रमशः 08+08+07+07=30 रहेंगे |

1.2 स्वाध्याय कम से कम 15 पृष्ठों में लिखा हुआ होना अनिवार्य है |

<u>सूचना</u> : आंतरिक एवं लिखित परीक्षा का विश्वविद्यालय द्वारा निर्दिष्ट प्रश्नपत्र प्रारूप पाठ्यक्रम के अंत में दिया गया है |

संदर्भ ग्रन्थ :-

1. हिन्दी समस्यामूलक नाटको की शिल्पविधि, पूनम कुमारी, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
2. नया हिन्दी नाटक, भानुदेव शुक्ल, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
3. आधुनिक हिन्दी नाटक एवम रंगमच, लक्ष्मीनारायण लाल, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
4. प्रसाद प्रतिभा, सं.डॉ.इन्द्रनाथ मदान, नॅशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
5. भारतीय नारी अस्मिता की पहचान, शुक्ल उमा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
6. आधुनिक हिन्दी नाटक, डॉ.नगेन्द्र, नॅशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |